सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 164 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 19 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

एक साहित्यिक प्रतिभा, कहा जाता है कि हर एक की तरह दिखती है, लेकिन उस जैसा कोई नहीं दिखता।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

सीरीज पर कब्जा करने उतरेंगी भारत... 7 | दक्षिण की राजनीति एकबार फिर... 3 | भाजपा ने इलाज को भी नीलाम कर... 2

ट्रंप के नये दावे से देश में राजनीति गर्माई

कांग्रेस ने वर्चुअल बैठक बुलाई

युद्ध की मध्यस्थता पर बवाल, कांग्रेस पूछेगी सदन में सवाल

» सवालों की बौछार के लिए तैयार विपक्ष
» युद्ध रुकवाने में विदेशी दखल और सरकार की चुप्पी बनेगी चर्चा का केंद्र
» ट्रंप का नया दावा- मार गिराए गए थे भारत-पाक युद्ध में पांच लड़ाकू विमान
» व्हाइट हाउस में दिया था बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत–पाक युद्ध सीज फायर अब उस अबूझ पहेली सा बन गया है जिसका जवाब सदन में खोजा जाएगा। दरअस्ल ब्रिक्स सम्मेलन के बाद अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि सीज फायर उन्होंने ही करवाया है। सरकार इस मुददे पर अलग-अलग माध्यमों से उनके इस दावे को नाकार चुकी है। लेकिन ट्रंप के फिर से वही राग अलापने के बाद कांग्रेस इसे मुददे के तौर पर देख रही है। आज इंडी गंठबंधन की वर्चुल बैठक में साफ हो गया कि अब इस सवाल का जवाब मानसून सत्र में पूछा जाएगा।

वहीं डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान बोलते हुए कहा कि हमने कई युद्धों को रोका है और ये कोई मामूली युद्ध नहीं थे। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो कुछ चल रहा था वह गंभीर था। वहां विमान मार गिराए जा रहे थे। मेरा मानना है कि लगभग पांच लड़ाकू विमान गिराए गए थे। उन्होंने आगे कहा कि यह दोनो देश गंभीर परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और वे एक-दूसरे पर हमला कर रहे थे। ये एक नई तरह की जंग जैसा लग रहा था।

> भारत और पाकिस्तान के बीच जो कुछ चल रहा था वह गंभीर था।
> डोनाल्ड ट्रंप
> प्रेसीडेंट, अमेरिका

व्यापार के जरिये किया हल

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बीच ईरान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आपने हाल ही में देखा कि जब हमने ईरान में कार्रवाई की। हमने उनकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह खत्म कर दिया बिल्कुल नष्ट कर दिया। लेकिन भारत और पाकिस्तान आपस में भिड़े हुए थे और यह टकराव लगातार बढ़ रहा था। हमने इसे व्यापार के जरिए हल किया। हमने कहा कि अगर आप व्यापार समझौता करना चाहते हैं तो ऐसा नहीं हो सकता कि आप हथियार और शायद परमाणु हथियार इधर-उधर फेंक रहे हों।

भारत में राजनीतिक बमचक शुरू

10 मई के बाद से डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर अपने इस दावे को दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को समाप्त कराया, जबकि ट्रंप के संघर्ष समाप्त कराने के दावे को भारत नकार चुका है। ऐसे में व्हाइट हाउस में दिया गया यह उनका बयान एक बार फिर किसी तीसरी शक्ति को देश की राजनीति में इन्वाल्व करने के लिए काफी है। सरकार साफ कर चुकी है कि युद्ध विराम आपसी समझौते के तहत हुआ।

इस मुद्दे पर ममता भी गुस्से में

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी भी इस मुद्दे पर भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा करने को तैयार हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री इस बात को उठाने वाली हैं कि सरकार ने न तो विपक्ष को विश्वास में लिया न ही देश को कोई जानकारी दी। शिवसेना (उद्धव गुट) और डीएमके नेताओं ने भी सरकार पर पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया है। तेजस्वी यादव ने पहले ही बयान दे दिया है कि मोदी सरकार की आक्रामकता केवल भाषणों में है असल निर्णय विदेशी ताकतें कर रही हैं।

सभी प्रमुख विपक्षी दलों के नेता इस डिजिटल बैठक में होंगे शामिल

ट्रंप के बयान के बाद इंडिया गठबंधन की एक अहम वर्चुअल बैठक होने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में विपक्ष की प्रमुख पार्टियां सरकार को संसद में घेरने की विस्तृत रणनीति पर मंथन करेंगी। बैठक का मुख्य एजेंडा रहेगा युद्ध किसने रुकवाया और क्या विदेशी शक्तियों ने हस्तक्षेप किया और क्या भारत की संप्रभुता के साथ समझौता हुआ, जैसे ज्वलंत सवालों को सदन में उठाना है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, शिवसेना (उद्धव गुट), आरजेडी, सपा, और वाम दलों सहित लगभग सभी प्रमुख विपक्षी दलों के नेता इस डिजिटल बैठक में शामिल होंगे। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, और शरद पवार जैसे बड़े नेताओं के उपस्थित रहने की संभावना है।

राहुल गांधी उठा सकते हैं अंतरराष्ट्रीय दबाव का मुद्दा

बैठक में राहुल गांधी विशेष रूप से इस बात को उठाने वाले हैं कि क्या भारत सरकार ने अमेरिका संयुक्त अरब अमीरात या रूस जैसे किसी देश के दबाव में युद्धविराम किया। यदि ऐसा है तो यह भारत की विदेश नीति और कूटनीति पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी संसद में सीधा सवाल पूछ सकते हैं कि भारत जैसे सामर्थ्यवान राष्ट्र को किसी अन्य देश की मध्यस्थता क्यों स्वीकार करनी पड़ी।

पास हो सकता है साझा प्रस्ताव

सूत्रों का कहना है कि इस वर्चुअल बैठक में एक साझा प्रस्ताव पास किया जा सकता है जिसमें सरकार से इन बिंदुओं पर जवाब मांगा जाएगा।

- युद्धविराम का कारण और प्रक्रिया क्या थी?
- क्या कोई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ शामिल था?
- संसद और जनता को जानकारी क्यों नहीं दी गई?
- क्या यह भारत की सैन्य नीति और कूटनीति की विफलता है?

फाइल फोटो

इंडिया गठबंधन यह भी चाहता है कि प्रधानमंत्री खुद सदन में आकर विस्तृत बयान दें, न कि केवल रक्षा मंत्रालय या विदेश मंत्रालय की ओर से औपचारिक प्रेस रिलीज जारी हो।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर अखिलेश यादव का हमला

भाजपा ने इलाज को भी नीलाम कर दिया

» 108 एम्बुलेंस से लेकर मेडिकल कॉलेज तक सब कुछ बर्बाद, जनता भुगत रही भाजपा की लापरवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की हालत पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि भाजपा ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लगभग ध्वस्त कर दिया है। गरीबों को इलाज नहीं मिल पा रहा है, मरीजों को दर-दर भटकना पड़ रहा है, और इलाज के अभाव में लोगों की जान जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा है कि भाजपा सरकार में स्वास्थ्य सेवाओं की जितनी दुर्दशा हुई है, उतनी कभी नहीं हुई। मेडिकल कॉलेजों में न डॉक्टर हैं, न प्रोफेसर, न वेंटीलेटर, और न ही पर्याप्त दवाएं। ये सरकार केवल इमारतें खड़ी कर रही है, लेकिन इलाज की मूलभूत सुविधाएं नदारद हैं।

मेडिकल कॉलेज हैं मगर डॉक्टर नहीं

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने सरकार द्वारा बनाए गए मेडिकल कॉलेजों की वास्तविक स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई जिलों में मेडिकल कॉलेज के नाम पर सिर्फ इमारतें खड़ी की गई हैं। वहां प्रोफेसर नहीं हैं डॉक्टर नहीं हैं स्टाफ नहीं है। ये मेडिकल कॉलेज महज रेफर सेंटर बनकर रह गए हैं। राजधानी लखनऊ की स्थिति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि केजीएमयू और पीजीआई जैसे नामी संस्थानों में भी वेंटीलेटर की कमी से मौतें हो रही हैं। जब लखनऊ जैसे शहरों में ये हाल है तो सोचिए पूर्वांचल, बुंदेलखंड या तराई में क्या स्थिति होगी।

जनता में आक्रोश, 2027 में भाजपा को सबक सिखाएगी

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की झूठी राजनीति और प्रशासनिक विफलता से जनता का भरोसा टूट चुका है। जनता अब सब समझ चुकी है। इलाज के अभाव में अपनों को खोने वाला हर नागरिक 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी फिर से एक बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करेगी। हमारे विज़न में मरीज सर्वोपरि हैं। हम आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल बनवाएंगे 108 सेवा को फिर से मजबूत करेंगे और मेडिकल शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाएंगे।

जनता का स्वास्थ्य सरकार की जिम्मेदारी

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने भाषण के अंत में कहा, जनता का स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। लेकिन आज की भाजपा सरकार की प्राथमिकता ईवेंट, प्रचार और सोशल मीडिया है। अस्पतालों में ऑक्सीजन नहीं है लेकिन ट्विटर पर सर्जिकल स्ट्राइक और डबल इंजन की बमबारी चलती रहती है। उन्होंने कहा कि बीमार व्यक्ति के लिए सरकार का वादा नहीं, दवा चाहिए। मरीज को भाषण नहीं, बेड चाहिए। गरीब को एम्बुलेंस चाहिए, आयोग नहीं।

स्वास्थ्य के नाम पर झूठे दावे

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर झूठे वादों और प्रचार आधारित शासन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजनाओं के नाम पर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। इन योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचता। आयुष्मान योजना केवल कागजों पर चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने 9 साल में एक भी ज़िलास्तरीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल नहीं बनाया। हमने लोहिया संस्थान कैंसर संस्थान जैसे संस्थान बनवाए, सुविधाएं बढ़ाईं, लेकिन भाजपा ने अपने कार्यकाल में इन्हें विकसित नहीं किया। उनके लिए स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं है, बल्कि 'नफ़रत की राजनीति' प्राथमिकता है।

31 दिसंबर तक पूरा करें सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य : अनुराग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऊना। सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि पीजीआई सैटेलाइट सेंटर का निर्माण तय किए गए लक्ष्य से एक साल विलंब से हो रहा है। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर 2025 तक इसका निर्माण कार्य पूरा करके ओपीडी से लेकर आईपीडी की सुविधा शुरू करने के निर्देश दिए हैं ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं के निर्माण कार्य में भी कमी पाई गई है।

उन्होंने अधिकारियों को आगामी छह माह में तमाम तरह के विकास कार्य को अमलीजामा पहनाने के निर्देश दिए हैं। दिशा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि रेलवे कनेक्टिविटी को और बेहतरीन करने के लिए हरिद्वार-ऊना एक्सप्रेस को अंब से चलाकर विस्तारीकरण किया गया है। इसके अलावा हिमाचल एक्सप्रेस में तमाम तरह की सुविधा हो, इसको लेकर रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। रेलवे की कनेक्टिविटी तलवाड़ा से लेकर अन्य जगह तक की जाए इस दिशा में प्रयास किया जा रहे हैं।

मदरसों में मराठी नहीं हिंदुओं को कैसे खत्म करना है पढ़ाते हैं : राणे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में इस समय भाषा को लेकर विवाद चल रहा। हिंदी बनाम मराठी भाषा को लेकर सियासी बहस छिड़ गई है। इसी बीच महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने बयान दिया है। नितेश राणे अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में मराठी-हिंदी भाषा विवाद को लेकर उन्होंने कहा, मदरसों में तो मराठी नहीं पढ़ाई जाती।

मंत्री नितेश राणे ने कहा, मदरसों में तो मराठी नहीं पढ़ाई जाती, वहां तो ये पढ़ाया जाता है कि हिंदुओ को कैसे खत्म करना है। धमकियां दी जा रही है। उन्होंने आगे कहा, देश को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की कोशिश हो रही है, इसीलिए हिंदुओं को एक होकर रोकना होगा। इसी के साथ निशीकांत दुबे के बयान को लेकर उन्होंने कहा कि हमारा उनके बयान को बिल्कुल समर्थन नहीं है।

मंत्री नितेश राणे ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि मदरसों में उर्दू की जगह मराठी भाषा पढ़ाई जानी चाहिए। साथ ही मस्जिदों में पांच वक्त की अजान भी मराठी भाषा में दी जानी चाहिए। इसी के साथ कांग्रेस की ओर से मुंबई में मराठी पाठशाला खोले जाने के फैसले पर मंत्री ने कहा, मराठी स्कूलों की क्या जरूरत है। विपक्षी दल को मुस्लिमों से यह कहना चाहिए कि वो अजान भी मराठी भाषा में दें। मदरसों में उर्दू की जगह मराठी भाषा पढ़ाई जाए। इसी के साथ राणे ने कहा, मदरसों में असली पढ़ाई तभी होगी, जब वहां मराठी भाषा की शिक्षा दी जाएगी।

निशिकांत दुबे के बयान पर छिड़ा विवाद

पिछले दिनों मराठी न बोलने को लेकर महाराष्ट्र में एक दुकानदार की पिटाई कर दी गई थी, जिस पर निशिकांत दुबे ने कथित तौर पर कहा था, पटक-पटक के मारेंगे, सांसद ने कहा था, उन्होंने आगे कहा था, अगर इतने ही बड़े बॉस हो तो बिहार आओ, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु तुमको पटक-पटक के मारेंगे। अब सांसद के इस बयान पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, एक बीजेपी सांसद ने कहा कि मराठी लोगों को हम यहां पर पटक पटक के मारेंगे। आप मुंबई आइए, मुंबई के समुंदर में डूबो-डुबो के मारेंगे।

मोदी का बिहार दौरा खाली पोटली वाला : मनोज झा

आरजेडी ने पीएम की मोतीहारी रैली पर उठाये सवाल, कहा- अभी तक मोतीहारी चीनी मिल क्यों नहीं हुई चालू

» 11 वर्ष पहले पीएम मोदी ने इसे चालू करने की घोषणा की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को आरजेडी के राज्यसभा सांसद व प्रवक्ता मनोज झा ने भावविहीन, दर्शनविहीन, भ्रम की स्थिति पैदा करने वाला और खाली पोटली वाला बताया। पीएम मोदी ने बिहार के मोतिहारी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 7200 करोड़ रुपए की योजनाओं की घोषणा की।

आरजेडी कार्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 7200 करोड़ की योजना को सौगात कहकर लोकतंत्र का उपहास बनाया है। सभी को पता है कि बिहार के गरीब, किसान, मजदूर, डॉक्टर, वकील और व्यापारी की गाढ़ी कमाई के टैक्स से विकास योजनाएं सरकार के माध्यम से चलती हैं लेकिन इस तरह की शब्दावली बोलकर इन्होंने जिस तरह की बातें की हैं यह कहीं से उचित नहीं है।

पारस हॉस्पिटल का किया जिक्र

मनोज झा ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि पटना को पुणे बनाने की बात करने वाले ये बताएं कि पारस अस्पताल में आपने इस तरह की डरावनी छवियां कभी बिहार में देखी हैं क्या? आज अपराधी बिहार में बेखौफ हैं और अपराधियों के खौफ के कारण लोग डरावनी जिंदगी जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किस मुंह से जंगलराज की बात करेंगे जबकि बिहार में महाजंगलराज जैसी स्थिति दिख रही है। बिहार में दिल्ली दरबार से सरकार चल रही है।

मोतिहारी के लोग पीएम मोदी का कर रहे हैं इंतजार

उन्होंने आगे कहा कि 11 वर्ष पहले मोतिहारी में पीएम नरेंद्र मोदी ने ही कहा था कि मोतिहारी चीनी मिल चालू करवाकर उसी चीनी की चाय पीयेंगे, लेकिन आज तक मोतिहारी के लोग इंतजार ही कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव देंगे नौकरियां

आरजेडी नेता ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव ने नौकरी, रोजगार, विकास और बिहार में महिलाओं तथा गरीबों के लिए जो लकीर खींच दी है, उसके पीछे-पीछे चलने को डबल इंजन सरकार मजबूर है। 17 महीने में तेजस्वी यादव ने 5.50 लाख नौकरी दी और 3.50 लाख प्रक्रियाधीन छोड़कर आये। प्रधानमंत्री आपने कहीं न कहीं तथ्यों से अलग हटकर जो मिथ्या बातें कीं, वह उचित नहीं हैं। आपको ईमानदारी से ये बताना चाहिए था कि औद्योगिक क्षेत्र और पूंजी निवेश के मामले में गुजरात के लिए सब कुछ करते हैं, लेकिन बिहार के लिए कुछ नहीं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी का जल्द गठन करे पार्टी हाईकमान : प्रतिभा सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने पार्टी हाईकमान से हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) का जल्द गठन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लंबे समय से पीसीसी की कार्यकारिणी भंग है, जिससे संगठनात्मक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में जल्द अनुमोदन आवश्यक है ताकि पार्टी के ढांचे को दोबारा सक्रिय किया जा सके।

प्रतिभा सिंह का कहना है कि प्रदेश में नगर निकाय और पंचायती राज चुनाव शीघ्र होने वाले हैं और चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। ऐसे में संगठनात्मक मजबूती व पदाधिकारियों की नियुक्ति बेहद जरूरी है ताकि जिम्मेदारियां तय की जा सकें। प्रतिभा ने कहा है कि प्राकृतिक आपदा से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लगा है, विशेषकर मंडी संसदीय क्षेत्र में स्थिति अत्यंत गंभीर है। 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है और कई लोग अभी भी लापता हैं। भूस्खलन व बाढ़ से हजारों करोड़ की सरकारी व निजी संपत्ति का नुकसान हुआ है। प्रदेश सरकार अपने सीमित संसाधनों के बावजूद राहत व बचाव कार्यों में जुटी है। प्रतिभा सिंह ने केंद्र सरकार से विशेष आर्थिक पैकेज देने की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश को इस आपदा से उबारने के लिए बड़ी राहत राशि की आवश्यकता है।

दक्षिण की राजनीति एकबार फिर देश को दिखाएगी दिशा!

भाजपा व कांग्रेस में मची है ऊहापोह

सिद्धारमैया से लेकर पलानी स्वामी तक सक्रिय

- सभी सियासी दल रणनीति बनाने में जुटे
- एआईडीएमके ने बढ़ाया भाजपा का टेंशन
- एआईएडीएमके नेता पलानी स्वामी के बयान से घबराई भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण की राजनीति एकबार फिर पूरे देश में गूंज रही है। कहीं हिंदी भाषा को लेकर रार मची है तो कहीं सनातन पर वार पलटवार हो रहा है। तो कभी टीडीपी विशेष पुनरीक्षण समीक्षा-एसआईआर पर अपनी ही सहयोगी भाजपा को धमका रही है। इन सबके बीच केरल व तमिलनाडु में भाजपा खबरों में बनी हुई हैं। केरल में भाजपा ने अपने एक पुराने कार्यकर्ता को राज्यसभा में मनोनीत कराया है तो वहीं तमिलनाडु में डीएमके भाजपा की पेशानी पर बल ला रही है।

पलानी स्वामी कह रहे हैं एनडी गठबंधन जीतेगा, पर अकेले वह सरकार बनाएंगे और वही सीएम भी बनेंगे। ऐसा नहीं की केवल भाजपा ही दक्षिण में चर्चा में है कांग्रेस भी सुर्खिया बटोर रही है। केरल में जहां कांग्रेस दिग्गज नेता शशी थरूर अपने बयानों से पार्टी के निशाने पर हैं तो कर्नाटक के सीएम अपने को हटाए जाने के खबरों का खंडन में लगे हैं। कुल मिला दक्षिण की राजनैतिक हवा उत्तर को सुहावना बना रही है। एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने घोषणा की कि अगर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी जीतती है, तो तमिलनाडु में उनकी पार्टी द्वारा गठित एकदलीय सरकार बनेगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि उनकी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) और उनकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर बातचीत चल रही है, बशर्ते वे सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम-कांग्रेस की जोड़ी को हरा दें। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के बयानों से दक्षिणी राज्य में गठबंधन सरकार की किसी भी चर्चा पर विराम लगता दिख रहा है, जहाँ भाजपा ऐतिहासिक रूप से अपनी पकड़ और प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संघर्ष करती रही है। पलानीस्वामी ने कहा कि हमारा गठबंधन जीतेगा... लेकिन एआईएडीएमके अपने दम पर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन का नेतृत्व एआईएडीएमकेकर रही है (और) यह मेरा फैसला है। मैं मुख्यमंत्री बनूँगा... भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है। आपको और क्या चाहिए?

सिद्धारमैया ने दी भाजपा को सलाह

दलित नेता को पीएम मोदी का उत्तराधिकारी घोषित करें

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा को सुझाव दिया कि अब उसके पास अगले प्रधानमंत्री के रूप में एक दलित नेता को नामित करने का सुनहरा मौका है क्योंकि नरेंद्र मोदी 75 वर्ष के हो गए हैं और आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री के राजनीतिक संन्यास का संकेत दिया है। सिद्धारमैया ने कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को संबोधित एक मीडिया बयान में कहा कि उन्हें कांग्रेस पर समय बर्बाद करने के बजाय अपनी पार्टी पर विचार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल की शुरुआत आप खुद से करें। दूसरों को उपदेश देने के बजाय, आप भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में किसी दलित नेता का नाम क्यों नहीं सुझाते? चाहे वह गोविंद करजोल हों या चलवाडी नारायणस्वामी, अगर आप उनके नाम प्रस्तावित करते हैं, तो मैं आपको सबसे पहले बधाई दूँगा। करजोल और नारायणस्वामी अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले भाजपा नेता हैं।मुख्यमंत्री ने विजयेंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जिस कुर्सी पर बैठे हैं, उसकी स्थिरता भी सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को यह सलाह देने की हिम्मत दिखा रहे हैं कि हमारा प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह न केवल उनकी अज्ञानता और आत्म-प्रवंचना का प्रदर्शन है, बल्कि उनके अहंकारी अधिकार का भी प्रदर्शन है। अगर विजयेंद्र को पढ़ने की ज़रा भी आदत है, तो उन्हें इतिहास से परिचित होना चाहिए कि भाजपा ने इस देश के पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा व्यवहार किया है। उन्हें बंगारू लक्ष्मण के शर्मनाक प्रकरण पर विचार करना चाहिए, एक दलित नेता जिन्हें भाजपा ने पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष सिर्फ़ इसलिए बनाया ताकि उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उन्हें बदनाम किया जा सके और जेल भेजा जा सके, एक ऐसा अपमान जिसके कारण अंततः उनकी मृत्यु हो गई।

तनाव की अफवाहों को भी खारिज किया

ईपीएस ने भाजपा के साथ तनाव की अफवाहों को भी खारिज कर दिया, जिसके साथ उन्होंने 2019 के संघीय और 2021 के राज्य चुनावों में गठबंधन किया था। उन्होंने कहा, मीडिया को एक सनसनीखेज खबर चाहिए... लेकिन हमारे गठबंधन में कोई दरार नहीं है। एआईएडीएमकेबहुमत हासिल करेगी और स्वतंत्र रूप से सरकार बनाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने पिछले सप्ताह 2026 के अपने चुनाव अभियान की शुरुआत भाजपा के साथ गठबंधन को एक स्वाभाविक गठबंधन बताते हुए की थी, जो राज्य के लोगों के लिए अच्छा होगा। इस हफ़्ते की टिप्पणियाँ अप्रैल में आई टिप्पणियों से मिलती-जुलती हैं - कुछ ही दिनों बाद - जब दोनों पार्टियों ने फिर से गठबंधन की घोषणा की थी। तब ईपीएस ने कहा था कि तमिल मतदाता भाजपा को गठबंधन में भी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने तब सुझाव दिया था कि भाजपा के साथ कोई भी समझौता सिर्फ़ चुनाव के लिए था। भाजपा ने तब इस बयान को ज़्यादा तवज्जो नहीं दी। पार्टी ने कहा कि उसका ज़्यादा ध्यान 2026 का चुनाव जीतने और द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता से हटाने पर है। अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन 2023 में टूट गया, जब तत्कालीन राज्य इकाई प्रमुख के. अन्नामलाई द्वारा अन्नाद्रमुक के राजनीतिक प्रतीकों पर तीखे हमलों के कारण दोनों के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए।

नायडू पुलिस की मदद से विरोधियों का दमन कर रहे : जगन

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पुलिस बल का दुरुपयोग कर विरोधियों का दमन कर रहे हैं ताकि तानाशाही जैसा माहौल बनाया जा सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य के अपने दौरे के दौरान कथित तौर पर सामने आए कई उदाहरणों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''सवाल करने, विरोध करने और एकत्र होने का अधिकार लोकतंत्र का आधार है, जो नागरिकों को अपनी शिकायतें स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने और जवाबदेही की मांग करने का अधिकार देता है।''हालांकि, आंध्र प्रदेश में इस मौलिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाले सत्तावादी शासन के दबाव में बेरहमी से कुचला जा रहा है।'जनता या विपक्ष द्वारा वैध चिंताओं को उठाने के हर प्रयास का दमन किया जाता है, उनका उत्पीड़न होता है और उन्हें मनमाने कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है। इससे असहमति के लिए कोई जगह नहीं बचती है। विपक्षी नेता के मुताबिक लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर कथित तौर पर जानबूझकर किया गया यह हमला राज्य में लोकतंत्र के मूल तत्व पर हमला है।

तमिल के लिए मगरमच्छ के आंसू बहा रहा केंद्र : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा के वित्तपोषण में कथित पक्षपात को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और उस पर तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं की उपेक्षा करते हुए संस्कृत को तरजीह देने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्टालिन ने लिखा, संस्कृत को करोड़ों मिलते हैं; तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता। तमिल के लिए झूठा लगाव, सारा पैसा संस्कृत के लिए! मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआई) और सार्वजनिक अभिलेखों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर द हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें पता चला है कि केंद्र ने 2014-15 और 2024-25 के बीच संस्कृत को बढ़ावा देने पर 2,532.59 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके विपरीत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया - पांच अन्य शास्त्रीय भारतीय भाषाओं - के लिए संयुक्त आवंटन 147.56 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, तमिल, जिसे 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था॥

राव भारत के इकलौते प्रधानमंत्री, जिनकी 17 भाषाओं में पकड़ थी : नायडू

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन-भाषा फॉर्मूले के विरोध के बीच आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने हिंदी का समर्थन किया है। उन्होंने भाषा विवाद पर अपनी राय रखते हुए पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव का उदाहरण दिया। चंद्राबाबू नायडू ने कहा कि नरसिम्हा राव 17 भाषा जानते थे, जिनमें हिंदी भी शामिल है। बता दें कि देश के सर्वोच्च प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने वाले दक्षिण भारत के पहले राजनेता राव लालकिले से हिंदी में भी ही देश को संबोधित करते थे। त्रिभाषा फॉर्मूले और हिंदी को लेकर तमिलनाडु, महाराष्ट्रऔर कर्नाटक जैसे राज्यों में रार छिड़ी है। महाराष्ट्र की शिवसेना यूबीटी, मनसे के अलावा तमिलनाडु में डीएमके, एआईडीएमके समेत कई दलों के नेताओं ने केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप भी लगाया है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने त्रिभाषा फॉर्मूले का विरोध किया है। दक्षिण के राज्यों में आंध्र प्रदेश ही एक ऐसा राज्य है, जहां के क्षेत्रीय नेताओं ने हिंदी को लेकर तीखी बयानबाजी नहीं की है। अब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्राबाबू नायडू ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव का उदाहरण देते हुए हिंदी को अनिवार्य बताया है। चंद्राबाबू नायडू ने कहा कि पी वी नरसिम्हा राव एक महान और दूरदर्शी नेता थे और तेलुगु समुदाय को उन पर गर्व है। आंध्र के सीएम ने नरसिम्हा राव को याद करते हुए कहा कि उनके राव के साथ बहुत अच्छे संबंध थे। वे एक छात्र नेता, स्वतंत्रता सेनानी और 17 भाषाओं के विद्वान थे। उन्होंने कहा कि आजकल लोग पूछते हैं कि हिंदी क्यों सीखनी चाहिए? पूर्व प्रधानमंत्री ने न केवल हिंदी सीखी, बल्कि 17 भाषाएं सीखीं। अपने इस गुण की वजह से वे इतने महान बने। बता दें कि पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने वाले दक्षिण भारत के पहले राजनेता थे। इससे पहले वह कई सरकारों में विदेश, गृह और रक्षा मंत्रालयों के सफल केंद्रीय मंत्री भी रहे। देश में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने वाले राव राजनीतिक तौर पर कई बड़े फैसलों के लिए चर्चित रहे। कई भाषाओं पर पकड़ उनकी खासियत थी। राव उन्हें 17 भाषाओं का ज्ञान था, जिसमें 11 भारतीय भाषाएं शामिल थी। वह 6 विदेशी भाषाओं के भी जानकार थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरसिम्हा राव ने लालकिले के प्राचीर से हमेशा हिंदी में ही देश को संबोधित किया।

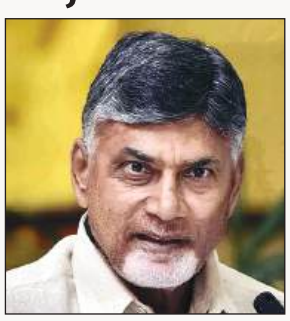

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित होना जरूरी

भारत ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 बनाया है। यह भारत का पहला पूर्ण डेटा संरक्षण कानून है, जिसके तहत सहमति के बिना व्यक्तिगत डिजिटल डेटा नहीं लिया जा सकता। डेटा के दुरुपयोग पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। सरकार ने एक स्वतंत्र डेटा संरक्षण बोर्ड की स्थापना का प्रावधान किया है।

भारत ही नहीं, आज दुनियाभर के देशों में निजी या व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित होना एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। अब भारत सरकार ने जनगणना कराने का निर्णय लिया है, जो अगले वर्ष से शुरू हो जाएगी, जिसमें देश के प्रत्येक नागरिक को अपना निजी डेटा साझा करना होगा। इस डेटा की सुरक्षा सरकार के लिए भी चुनौती होगी। हाल के वर्षों में साइबर अपराधियों ने डेटा चोरी की बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है। 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की जब गिनती होगी, उनका डेटा एकत्रित किया जाएगा। उसे कैसे साइबर अपराधियों से सुरक्षित रखा जाएगा, इसका विश्वास सरकार को भारतीयों को दिलाना ही चाहिए। पहले बात भारत में डेटा सुरक्षा के प्रमुख कानूनों की करते हैं। भारत ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 बनाया है। यह भारत का पहला पूर्ण डेटा संरक्षण कानून है, जिसके तहत सहमति के बिना व्यक्तिगत डिजिटल डेटा नहीं लिया जा सकता। डेटा के दुरुपयोग पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

सरकार ने एक स्वतंत्र डेटा संरक्षण बोर्ड की स्थापना का प्रावधान किया है। आईटी अधिनियम 2000 के सेक्शन 43ए और 72ए में डेटा उल्लंघन पर कानूनी दंड का प्रावधान है। आधार अधिनियम 2016 में आधार डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए यूआईडीएआई को अधिकृत किया गया है। इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निजता का अधिकार अब मौलिक अधिकार घोषित हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संवैधानिक पीठ ने वर्ष 2017 में यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। डेटा चोरी रोकने के कानूनों की शक्ति के बावजूद इस पर पूरी तरह से लगाम नहीं लग पा रही है। अब डेटा लीक की कुछ चिंताजनक घटनाओं पर एक नजर डालते हैं। वर्ष 2018 में आधार डेटा लीक होने की खबर सामने आई, जिसमें मात्र 500 रुपए में किसी का आधार विवरण हासिल किया जा सकता था। यह लीक नाम, पता, मोबाइल नंबर, फोटो और बैंक लिंकिंग जैसे संवेदनशील विवरण तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सरकारी प्रणाली की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिह्न था। वर्ष 2023 में कोविन पोर्टल से वैक्सीनेशन डेटा लीक हुआ, जहां टेलीग्राम बॉट के जरिए कोई भी व्यक्ति किसी मोबाइल नंबर को डालकर उस व्यक्ति का नाम, लिंग, जन्मतिथि, वैक्सीनेशन स्टेट्स, पहचान पत्र आदि जान सकता था। एक डिजिटल पेमेंट कंपनी से वर्ष 2021 में 10 करोड़ लोगों की केवाईसी और बैंक डिटेल लीक हो गई थीं। वर्ष 2021 में एक फास्ट फूड चेन से 18 करोड़ ऑर्डर का नाम, पता और लोकेशन लीक हो गई और आईआरसीटीसी से वर्ष 2016-23 के बीच में कई बार यात्रियों की जानकारी लीक हुई। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल कानूनी ढांचा होना पर्याप्त नहीं है, जब तक कि उसका कठोर पालन और नियमित निगरानी न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्वतंत्रता और संयम का संतुलन जरूरी

डॉ. जगदीप सिंह

बीती चौदह जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत सुनिश्चित है, लेकिन यह असीमित नहीं है। कोर्ट ने कहा कि इस स्वतंत्रता का उपयोग सामाजिक जिम्मेदारी, धार्मिक सौहार्द और व्यक्तिगत गरिमा के साथ संतुलित होना चाहिए। यह आदेश न केवल सोशल मीडिया पर बढ़ती हेट स्पीच और आपत्तिजनक सामग्री के मुद्दे को संबोधित करता है, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और लोकतांत्रिक प्रभावों को भी रेखांकित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने वजाहत खान के मामले में सुनवाई करते हुए, जिसमें उन पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के लिए कई राज्यों में प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की।

कोर्ट ने कहा, 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कुछ भी पोस्ट नहीं किया जा सकता। यह अधिकार अनुच्छेद 19(2) के तहत उचित प्रतिबंधों के अधीन है, जिसमें सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और दूसरों की गरिमा शामिल है।' जस्टिस नागरत्ना ने जोर दिया कि सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाली सामग्री (हेट स्पीच) सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती है और सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देती है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री को नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं, लेकिन यह सेंसरशिप का रूप नहीं लेना चाहिए। साथ ही, कोर्ट ने नागरिकों से स्व-नियंत्रण और सामाजिक जिम्मेदारी अपनाने की अपील की। एक अन्य मामले में, कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय की याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार ने भी इस बात को दोहराया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग स्वीकार्य नहीं है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का आधार है, क्योंकि यह नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने का अधिकार देता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट होता है कि यह स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ आती

है। सोशल मीडिया पर अनियंत्रित और आपत्तिजनक सामग्री लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकती है। सोशल मीडिया पर नफरत भरे भाषण और गलत सूचनाएं सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती हैं। यह विभिन्न समुदायों के बीच तनाव को बढ़ा सकता है, जो लोकतांत्रिक समाज में एकता और सहिष्णुता के सिद्धांतों के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश इस ध्रुवीकरण को रोकने की दिशा में एक कदम है, क्योंकि यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और उपयोगकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराने पर जोर देता है। सोशल मीडिया ने विचारों के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन आपत्तिजनक सामग्री और हेट स्पीच ने इसको कई बार विषाक्त बना दिया है। कोर्ट का यह रुख सुनिश्चित करता है कि लोकतांत्रिक बहस रचनात्मक और सम्मानजनक बनी रहे, न कि अपमानजनक या हिंसक। कोर्ट ने सेंसरशिप के खिलाफ चेतावनी दी है, लेकिन साथ ही सरकारों को ऐसी सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने की सलाह दी है। यदि सरकारें इसे अति-नियंत्रण के रूप में उपयोग करें, तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का कारण बन सकता है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। इसलिए, कोर्ट का यह आदेश सरकारों के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की चुनौती पेश करता है। भारत जैसे बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक समाज में, सोशल मीडिया पर धार्मिक या सांप्रदायिक टिप्पणियां तनाव और हिंसा को जन्म दे सकती हैं। कोर्ट का यह आदेश ऐसी सामग्री पर अंकुश लगाकर सामाजिक एकता को बढ़ावा देगा। कोर्ट ने स्व-नियंत्रण पर जोर दिया है, जो नागरिकों को अपनी अभिव्यक्ति के प्रति अधिक जागरूक बनाएगा। इससे सोशल मीडिया उपयोगकर्ता अपनी पोस्ट की सामाजिक और कानूनी जिम्मेदारी को समझेंगे।

यह आदेश सोशल मीडिया कंपनियों पर भी दबाव डालेगा कि वे अपनी सामग्री मॉडरेशन नीतियों को और सख्त करें। हाल ही में, 3 जुलाई को भारत सरकार द्वारा 2,355 अकाउंट्स को ब्लॉक करने का आदेश इसका उदाहरण है। कोर्ट का यह रुख प्लेटफॉर्म्स को हेट स्पीच और गलत सूचनाओं पर तेजी से कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करेगा। यह आदेश समाज में कानूनी जागरूकता बढ़ाएगा, खासकर यह समझाने में कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के साथ कुछ सीमाएं भी हैं।

ट्रंप की तेल कूटनीति में नाटो का दुरुपयोग

पुष्परंजन

वर्ष 1949 में वाशिंगटन संधि पर हस्ताक्षर के साथ गठित, 'नाटो' उत्तरी अमेरिका और यूरोप के 32 देशों का एक सुरक्षा गठबंधन है। नाटो का मूल लक्ष्य, राजनीतिक और सैन्य साधनों से मित्र राष्ट्रों की स्वतंत्रता, और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नाटो के दो मुख्य अंग हैं- राजनयिक, और सैन्य। यदि राजनयिक प्रयास विफल हो जाते हैं, तो नाटो सैनिक कार्रवाई के लिए धमकाता है। नीदरलैंड्स के पूर्व प्रधानमंत्री रह चुके मार्क रुट्टे, ट्रंप के खास लोगों में माने जाते हैं। बुधवार को वाशिंगटन में नाटो महासचिव मार्क रुट्टे ने कहा, कि रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करना चाहिए, और उन्हें बताना चाहिए कि यूक्रेन से शांति वार्ता के बारे में गंभीर होना होगा, वरना ब्राजील, भारत, और चीन पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। रुट्टे ने कहा, 'इन तीन देशों को मेरा मशविरा है कि यदि आप पेइचिंग में रहते हैं, या दिल्ली में, या आप ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको इस पर गौर करना चाहिए, क्योंकि यह आपको बहुत प्रभावित कर सकता है।'

यह धमकाना ही तो है। इसे आप जुर्रत नहीं, तो क्या कहेंगे? खुन्नस आपको पुतिन से है, उसे निकाल रहे हैं, उन देशों पर, जो रूस से तेल व्यापार कर रहे हैं। एक अक्तूबर, 2024 से मार्क रुट्टे नाटो के महासचिव हैं। चार साल की कार्यावधि में मार्क रुट्टे ट्रंप की कठपुतली जैसा कार्य करेंगे, यह उनके बयानों से दिख रहा है। ब्रसेल्स के बाहरी इलाके में स्थित, एक विशाल परिसर में स्टील और कांच से बने नाटो मुख्यालय में सात वर्षों तक मेरा जाना रहा। रुट्टे अपने पूर्ववर्तियों की तरह व्हाइट हॉउस के आगे क्यों नतमस्तक हैं? उसकी वजह है, पैसा। मोबाइल थल सेना, वायु रक्षा, लंबी दूरी की हथियार प्रणालियों और सुरक्षा कवच 'परमाणु छतरी' के लिए नाटो, दशकों से अमेरिका पर निर्भर रहा है। 'सेंटर फॉर यूरोपियन पॉलिसी एनालिसिस' के वरिष्ठ फेलो और पूर्व शीर्ष नाटो अधिकारी, जनरल गॉर्डन बी. डेविस जूनियर (सेवानिवृत्त) कहते हैं, 'नाटो की परमाणु छतरी, और पूरा सैन्य सेटअप अमेरिकी पैसे के बिना काम कर ही नहीं सकता।'

कहने के लिए नाटो 32 उत्तर अटलांटिक देशों का सुरक्षा गठबंधन है, दरअसल यह अमेरिका को सिजदा करने वाला संगठन है। दिक्कत, ट्रम्प के साथ है। इस महीने रूस ने कीव पर 10 घंटे तक लगातार हमले किए। इन हमलों के बाद, 14 जुलाई को ट्रंप बोले, 'मैं राष्ट्रपति पुतिन से बिल्कुल भी खुश नहीं हूं। अब अमेरिका यूक्रेन को आत्मरक्षा के लिए ज्यादा हथियार देगा।' मतलब, ट्रंप का 'मिशन पीस' हो गया फिस्स। इस पूरी कहानी का दूसरा पक्ष है, तेल व्यापार। भारत में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर्स की 23 रिफाइनरियां हैं। रूस में 30 बड़ी और मध्यम आकार की रिफाइनरियां हैं, जबकि अमेरिका में 131 रिफाइनरियां हैं। अमेरिका, दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। उसके बाद ही सऊदी अरब, रूस, कनाडा, चीन, इराक, यूएई, ब्राजील, ईरान और कुवैत क्रमशः आते हैं।

एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) को आशंका है, कि अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 2026 के अंत तक उस उच्च स्तर से कम हो जाएगा, क्योंकि तेल उत्पादक प्रतिस्पर्धी कीमतों से खरीदारों को लुभाएंगे। भारत ने रियायती कीमतों पर रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की है, खासकर यूक्रेन में संघर्ष शुरू होने के बाद। भारत का कहना है, कि वह किसी भी प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं कर रहा है, अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना चाहता है। तेल उद्योग पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ इसे रूस से आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाकर पुतिन को मजबूर करने की रणनीति के रूप में देखते हैं। रूसी तेल पर कीमतों को लेकर कोई 'कैपिंग' नहीं है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लगा दी है, जिसके अनुसार यदि मास्को के कच्चे तेल की कीमत उस स्तर से नीचे है, तो पश्चिमी मालवाहक और बीमाकर्ता रूसी तेल व्यापार में भाग नहीं ले सकते। यह, एक किस्म की गुंडई है। भारत और चीन, रूसी कच्चे तेल के शीर्ष आयातक हैं। भारत अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद, जब पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल से दूरी बना ली, तो रूस ने इच्छुक खरीदारों को अपने तेल पर छूट देना शुरू कर दिया।

भारतीय रिफाइनरियों ने इस अवसर का तुरंत लाभ उठाया, जिसके परिणामस्वरूप रूस, जो पहले भारत को तेल का एक छोटा आपूर्तिकर्ता था, भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बनकर उभरा, और देखते-देखते पारंपरिक पश्चिम एशियाई आपूर्तिकर्ताओं को विस्थापित कर दिया। टैंकर आंकड़ों के अनुसार, 'जून 2025 में भारत के कुल तेल आयात में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा 43.2 प्रतिशत था, जो अगले तीन आपूर्तिकर्ताओं- इराक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को मिलाकर भी अधिक था।' वैश्विक कमोडिटी मार्केट एनालिटिक्स फर्म, 'केप्लर' के वेसल ट्रैकिंग डेटा बताते हैं, 'जून 2025 में भारत ने 2.08 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी कच्चे तेल का आयात किया, जो जुलाई 2024 के बाद से सबसे अधिक है।' इस कारोबार से भारत की अर्थव्यवस्था जितनी तेजी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से अमेरिका के पिट्ठू देशों को खटकने लगी है।

भगवान शिव के सावन में इन मंदिरों में करें दर्शन

सावन का पवित्र माह शुरू हो गया है। कांवड़ियों का हुजूम देखने को मिल रहा है। शिवालयों में जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना हो रही है। भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनका युगों-युगों से नाता है। इस पूरे माह श्रद्धालु भोलेनाथ की अराधना करते हैं। माना जाता है कि अगर भक्त सच्चे दिल से महादेव की पूजा करते हैं, तो उनकी सारी मनोकामना पूरी होती है। भक्तों को इस महीने का बेसब्री से इंतजार रहता है। कहा जाता है कि सावन महीन में हर रोज महादेव की भक्ति करने पर घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास रहता है। इस महीने में हर शिव मंदिर में काफी तादाद में भक्तों की भीड़ उमड़ती हैं। इस खास मौके पर शिव के दर्शन और पूजन कर भक्त खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं। ऐसे में आप देश के कुछ प्रसिद्ध शिव मंदिरों में जाने की सोच सकते हैं जहां आप भोलेनाथ का दर्शन कर सकते हैं। भगवान शिव ब्रम्हांड के निर्माता और सृष्टि रचने वाले प्रमुख तीन देवताओं में से एक हैं। शिव भगवान की शिवलिंग, रुद्राक्ष सहित कई तरह के रूपों में पूजा की जाती है।

सोमनाथ मंदिर

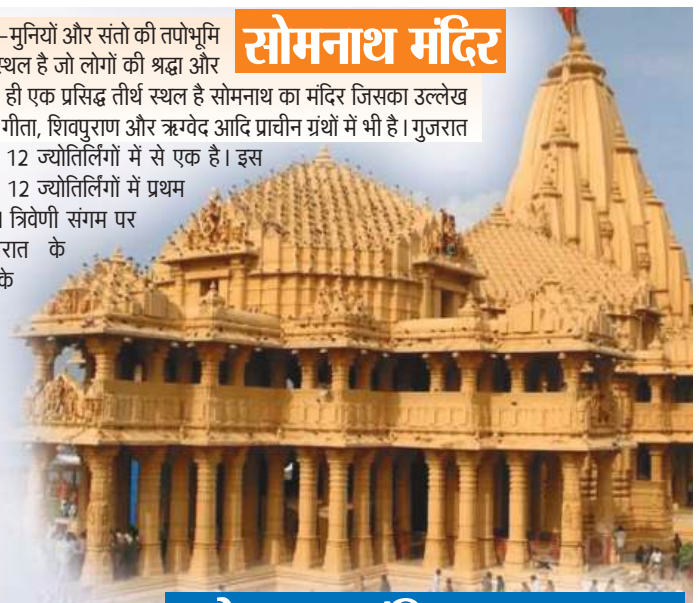

भारत प्राचीन काल से ऋषि-मुनियों और संतो की तपोभूमि रहा है। यहां अनेकों तीर्थ स्थल है जो लोगों की श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। ऐसा ही एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है सोमनाथ का मंदिर जिसका उल्लेख स्कंदपुराण, श्रीमद्भागवत गीता, शिवपुराण और ऋग्वेद आदि प्राचीन ग्रंथों में भी है। गुजरात में स्थित सोमनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। त्रिवेणी संगम पर स्थित यह मंदिर गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में समुद्र के किनारे स्थित है। सावन में भक्तों की यहां बड़ी संख्या में भीड़ होती है।

कैलाश मंदिर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के औरंगाबाद की 34 एलौरा की गुफाओं में स्थित यह भारत के सबसे बेहतरीन शिव मंदिरों में से एक माना जाता है। इसे एलोरा के कैलाश मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में करीब 40 हजार टन वजनी पत्थरों को काटा गया था। यह एलोरा में मौजूद 34 मंदिरों का एक हिस्सा है। यह मंदिर 8वीं शताब्दी में बनाया गया था। सावन में इस मंदिर का दीदार जरूर करें। माना जाता है कि कैलाश मंदिर राष्ट्रकुल राजा कृष्ण प्रथम ने (756-773ई.) के दौरान बनवाया था। इसके अतिरिक्त इस मंदिर को बनाने का उद्देश्य, बनाने की टेक्नोलॉजी, बनाने वाले का नाम जैसी कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं है।

लिंगराज मंदिर

आप सावन में लिंगराज मंदिर का भी दर्शन करने का प्लान कर सकते हैं। यह देश के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है। यह भुवनेश्वर का सबसे बड़ा मंदिर है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण सोमवंसी राजवंश द्वारा किया गया है। इस मंदिर का दर्शन करने के लिए अच्छा समय सावन माना जाता है।

मुरुदेश्वर मंदिर

मुरुदेश्वर भगवान शिव का ही एक नाम है। उत्तरी कर्नाटक में स्थित मुरुदेश्वर मंदिर भक्तों के बीच काफी लोकप्रिय है। यह स्थान भगवान शिव की दूसरी सबसे ऊंची प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। यहां 123 फीट ऊंची शिव प्रतिमा है। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण इसके आसपास का सुंदर परिदृश्य है। मूर्ति के पास एक 20 मंजिला मंदिर बनाया गया है जो भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर के पास एक लिफ्ट भी बनाई गई है, जिससे पर्यटक विशाल प्रतिमा के शानदार दृश्य का आनंद ले सकते हैं। रामायण काल में भी इस मंदिर का जिक्र होता है। रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उसे एक शिवलिंग दिया था। इस प्रतिमा को बाने में दो साल का समय लगा था और करीब 5 करोड़ का खर्च आया था। विदेशों से भी पर्यटक यहां दर्शन के लिए आते हैं।

हंसना मना है

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है। मोलू : अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा- गोलू मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

चिंटू डॉक्टर के पास गया, चिंटू- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, चिंटू- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, चिंटू- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

पत्नी: मैं तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं? पति: बहुत ज्यादा... पत्नी: फिर भी बताओ कितनी? पति: इतनी कि मन करता है तुम्हारे जैसी एक और ले आऊं...

चिंटू: मेरी जिंदगी साली नर्क होती जा रही है, यमराज: हा हा हा हा, चिंटू: कौन है भाई ? यमराज: तेरे पापों का घड़ा अब भर चुका है, चिंटू: तो मोटर बंद कर दे ना मेरे भाई, यमराज भी बेहोश।

कहानी | सोच बदलो, जिंदगी बदल जायेगी

एक गांव में सूखा पड़ने की वजह से गांव के सभी लोग बहुत परेशान थे, उनकी फसलें खराब हो रही थी, और उन्हें समझ नहीं आ रहा था की इस समस्या का समाधान कैसे निकाला जाय। उसी गांव में एक विद्वान महात्मा रहते थे। गांव वालों ने उनके पास जाकर अपनी सारी परेशानी विस्तार से बतायी, महात्मा ने कहा कि आप सब मुझे एक हफ्ते का समय दीजिये मैं आपको कुछ समाधान ढूंढ कर बताता हूं। गांव वालों ने कहा ठीक है और महात्मा के पास से चले गये। एक हफ्ते बीत गये लेकिन साधू महात्मा कोई भी हल ढूंढ न सके और उन्होंने गांव वालों से कहा कि अब तो आप सबकी मदद केवल ऊपर बैठा वो भगवान ही कर सकता है। अब सब भगवान की पूजा करने लगे और भगवान ने उन सबकी सुन ली और उन्होंने गांव में अपना एक दूत भेजा। गांव में पहुंचकर दूत ने सभी गांव वालो से कहा कि आज रात को अगर तुम सब एक-एक लोटा दूध गांव के पास वाले उस कुवे में बिना देखे डालोगे तो कल से तुम्हारे गांव में घनघोर बारिश होगी और तुम्हारी सारी परेशानी दूर हो जायेगी। गांव वाले बहुत खुश हुए और सब लोग उस कुवें में दूध डालने के लिये तैयार हो गये लेकिन उसी गांव में एक कंजूस इंसान रहता था उसने सोचा कि सब लोग तो दूध डालेंगे ही अगर मैं दूध की जगह एक लोटा पानी डाल देता हूं तो किसको पता चलने वाला है। रात को कुवे में दूध डालने के बाद सारे गांव वाले सुबह उठकर बारिश के होने का इंतजार करने लगे लेकिन मौसम वैसा का वैसा ही दिख रहा था और बारिश के होने की थोड़ी भी संभावना नहीं दिख रही थी। बारिश का इंतेजार करने के बाद सब लोग उस कुवें के पास गये और जब उस कुवें में देखा तो कुंवा पानी से भरा हुआ था और उस कुवे में दूध का एक बूंद भी नहीं था। सब लोग एक दूसरे की तरफ देखने लगे और समझ गये कि बारिश अभी तक क्यों नहीं हुई। और वो इसलिये क्योंकि उस कंजूस व्यक्ति की तरह सारे गांव वालों ने भी यही सोचा था कि सब लोग तो दूध डालेगें ही, मेरे एक लोटा पानी डाल देने से क्या फर्क पड़ने वाला है। और इसी चक्कर में किसी ने भी कुवें में दूध का एक बूंद भी नहीं डाला और कुवें को पानी से भर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

वृषभ

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है।

मिथुन

नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कर्क

धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

सिंह

सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। पारिवारिक चिंता रहेगी।

कन्या

ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

धनु

कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर

घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। लाभ होगा।

कुम्भ

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। जल्दबाजी न करें। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा।

मीन

वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

बॉलीवुड | एलान

मैं बिग बॉस कभी नहीं करूंगी : डेजी शाह

बॉलीवुड की एक्ट्रेस डेजी शाह क्या सलमान खान के शो बिग बॉस 19 में नजर आएंगी? पिछले कई दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थी कि वो इस रिएलिटी शो का हिस्सा बनने वाली हैं, लेकिन अब जय हो फिल्म की एक्ट्रेस ने इन खबरों को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। डेजी शाह ने बिग बॉस 19 में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगाते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सभ अफवाहों पर विराम लगाते हुए। मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं। शायद कभी नहीं करूंगी। धन्यवाद। मालूम हो कि डेजी शाह के फैन अकाउंट्स तो ये भी अनुमान लगा रहे थे कि वो पहले से ही निर्माताओं से बातचीत कर रही हैं। हालांकि, अब उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि उका ऐसा कोई इरादा नहीं है।डेजी को पिछली बार स्टंट बेस्ड रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 13 में देखा गया था। शिव ठाकरे के साथ उनकी दोस्ती को काफी पसंद किया गया था। उनकी फिल्मों की बात करें तो डेजी ने हिंदी के साथ-साथ कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया है। डेजी पहले कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट थीं। उन्हें 2011 में कन्नड़ मूवी Bhadra से एक्टिंग में ब्रेक मिला। फिर 2014 में वो सलमान की फिल्म जय हो में नजर आईं। 2015 में हेट स्टोरी 3 में काम किया। उन्हें पिछली बार 2023 में Mystery of the Tattoo फिल्म में देखा गया था।

सैयारा : अहान पांडे की तो निकल पड़ी! मॉर्निंग शो में थिएटर्स फुल

सैयारा मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा इन दिनों चर्चा में है। फिल्म को लेकर बज इतना तगड़ा है कि एडवांस बुकिंग में ही इस फिल्म ने सलमान खान की फिल्म सिकंदर को भी पीछे छोड़ दिया है। 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म सैयारा से अनन्या पांडे के कजिन और चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे ने डेब्यू किया है। इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में अनीत पड्डा हैं जो काजोल स्टारर सलाम वेंकी में नजर आ चुकी हैं।अहान और अनीत पड्डा की जोड़ी और कहानी ने दर्शकों के दिलों पर कैसा जादू किया है, इसका रिव्यू सामने आ गया है।

एक यूजर ने लिखा, सैयारा इंटरवल अहान पांडे की एंट्री कमाल की है। सहज, स्टाइलिश और संयमित। अपनी उपस्थिति से वो

फिल्म पर छा रहे हैं। उनका एक्सेंट ही प्रॉब्लम है। उनका प्लेबैक उनकी आवाज से भी बेहतर है। अनीत पड्डा क्यूट हैं। मोहित सूरी आशिकी 2 वाले जोन में वापस आए हैं।

एक यूजर ने कहा, सैयारा एक जबरदस्त फिल्म है, यह एक बेहतरीन प्रेम कहानी वाली फिल्म है जो पिछले 15 सालों में नहीं बनी। इस फिल्म की कहानी लाजवाब है। बैकग्राउंड म्यूजिक शानदार है और फिल्म का निर्देशन बेहतरीन है। सैयारा फिल्म एक बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित होगी। मैं इसे चार स्टार देता हूं।

ब्लॉकबस्टर होगी सैयारा मूवी?

एक ने फिल्म को अभी से ही ब्लॉकबस्टर बता दिया है। यूजर ने लिखा, सैयारा रिव्यू ब्लॉकबस्टर 100 प्रतिशत। सैयारा एक इमोशनल रोमांटिक फिल्म है जो आपके दिल से जुड़ जाएगी। फिल्म की कहानी, निर्देशन, संगीत और पटकथा बेहतरीन हैं। दोनों कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है। रोमांटिक फिल्मों के लिए मोहित सूरी से बेहतर कोई निर्देशक नहीं है।

थिएटर्स हुए हाउसफुल

एक यूजर ने सिनेमाघर से एक तस्वीर शेयर की है जहां फर्स्ट डे फर्स्ट शो में हॉल एकदम हाउसफुल हैं। मॉर्निंग शो का ये हाल है तो इवनिंग में क्या होगा।

भोजपुरी सिनेमा को अश्लीलता से बाहर आना होगा : रवि किशन

रवि किशन ने कहा, भोजपुरी इंडस्ट्री का मुझ पर बहुत बड़ा अहसान है। उसी ने मुझे सुपरस्टार बनाया, मुझे पहचान दी। अब मेरी जिम्मेदारी है कि मैं इस इंडस्ट्री के लिए कुछ करूं। मेरे लिए भोजपुरी सिनेमा सिर्फ काम करने की जगह नहीं बल्कि अपनी पहचान और सम्मान का जरिया है। रवि किशन बताया कि आज भोजपुरी फिल्मों में बहुत सारी अश्लीलता दिखती है, जो उन्हें बिलकुल पसंद नहीं है।

भोजपुरी सिनेमा आज काफी नीचे चला गया है, ऐसा मैं बिल्कुल नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि भोजपुरी सिनेमा फिर से अपनी गरिमा वापस पाए। रवि किशन का मानना है कि भोजपुरी इंडस्ट्री को अब गंभीर होकर अच्छी कहानियां लेकर आनी होंगी। वह कहते हैं, 'भोजपुरी सिनेमा को थोड़ा सीरियस होना होगा, अश्लीलता से बाहर आना होगा और अच्छी कहानियों को लेकर आना होगा। यही मेरा सपना है। रवि किशन आगे कहते हैं, मेरा दिल चाहता है कि मैं ऐसी फिल्म बनाऊं जो भोजपुरी को फिर से देश के सम्मानित सिनेमा की लाइन में खड़ा कर सके। भोजपुरी सिनेमा और लोग फिर से गर्व के साथ कहें- ये है भोजपुरी सिनेमा।'

बताते चलें कि रवि किशन जल्द ही अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आएंगे।

अजब-गजब | ये रिवाज है गजब! बुरहानपुर की अनोखी शादी परंपर

यहां महिलाएं करती हैं दूल्हा-दुल्हन की धुनाई

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है कि यहां पर हर समाज की अपनी-अपनी परंपरा है। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में गुर्जर साली सकल पंच समाज भी निवास करता है। समाज की एक ऐसी परंपरा है कि जिसको जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। जब घर में शादी होती है, तो सभी लोग उत्साहित होते हैं और बड़ी खुशी का माहौल होता है। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में गुजर साली सकल पंच समाज में, जब शादी होती है और दूल्हा दुल्हन को घर पर ले जाया जाता है, तो इस वक्त महिलाएं साड़ी के कपड़े का लड्डा बना कर दूल्हा-दुल्हन की धुनाई करती हैं। समाज की अर्चना सूर्यवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह समाज की काफी पुरानी परंपरा है। यह परंपरा का आज भी निर्वाहन होता है। दूल्हा-दुल्हन इस धुलाई को प्रेम और आशीर्वाद के रूप में मानकर स्वीकार करते हैं। समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जरीवाला का कहना है कि यह परंपरा जिस वक्त दूल्हा-दुल्हन की शादी होती है और वह काकन छुड़वाकर दूल्हा अपनी दुल्हन को घर पर लेकर आता है। उस वक्त इस परंपरा का निर्वहन किया जाता है।

मीडिया की टीम ने जब श्री गुर्जर साली सकल पंच समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जरीवाला से

बात की, तो उन्होंने बताया कि यह समाज की काफी प्राचीन और पुरानी परंपरा है, जिसमें जब दूल्हा दुल्हन की शादी होती है। उसके दूसरे दिन दुल्हन के घर पर दूल्हे का काकन छुड़ाने के लिए लेजाया जाता है। उसके बाद जब दूल्हा अपनी दुल्हन को घर पर लेकर आता है, तो समाज की महिलाएं दुल्हन की हल्दी की साड़ी से उनकी धुनाई करती है। इस परंपरा को आशीर्वाद और स्नेह प्रेम समझकर मनाया जाता है।

इस रस्म को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगती है। समाज के साथ-साथ अन्य समाज के लोग भी इस रस्म को देखने के लिए आते हैं, क्योंकि यहां पर बारी-बारी से दूल्हा दुल्हन को भगवान के सामने बैठाकर उनकी धुनाई की जाती है। आप खुद तस्वीरों में देखिए कि किस तरह से यह परंपरा का निर्वहन हो रहा है।

यहां नाग पंचमी पर लगता है सांपों का मेला, मुंह में दबा लेते हैं सांप, ना डंसने का डर-ना काटने का भय!

बिहार के समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड में सिंघिया घाट पर हर साल नागपंचमी के दिन एक ऐसा मेला लगता है, जो रोंगटे खड़े कर देता है। यहां लोग जहरीले सांपों को रस्सी की तरह गले में लटकाते हैं, मुंह में पकड़कर करतब दिखाते हैं और बूढ़ी गंडक नदी में डुबकी लगाकर मां भगवती की पूजा करते हैं। ना डंसने का डर, न काटे जाने का भय—यह है समस्तीपुर का सांपों का मेला! यह 300 साल पुरानी मिथिला परंपरा आस्था, साहस, और रोमांच का अनोखा संगम है। आपको बता दें, नर्थिसिंघिया घाट पर लगने वाला यह मेला समस्तीपुर शहर से 23 किमी दूर बूढ़ी गंडक नदी के किनारे आयोजित होता है। मेले की शुरुआत सिंघिया बाजार के मां भगवती मंदिर में पूजा-अर्चना से होती है। इसके बाद भक्त सांपों को टोकरियों में लेकर सिंघिया घाट पहुंचते हैं, जहां वे नदी में डुबकी लगाते हैं और विषहरी माता व नाग देवता की पूजा करते हैं। लोग जहरीले सांपों जैसे कोबरा और करैत को गले में लटकाते, बाजुओं पर लपेटते और यहां तक कि मुंह में पकड़कर हैरतअंगेज करतब दिखाते हैं। पूजा के बाद इन सांपों को जंगल में छोड़ दिया जाता है। स्थानीय मान्यता है कि इस पूजा से मांगी गई मुरादें पूरी होती हैं, खासकर वंश वृद्धि और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए। यह मेला मिथिला क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का हिस्सा है, जो लगभग 300 साल पुराना है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह परंपरा नाग देवता और मां विषहरी के प्रति आस्था का प्रतीक है। महिलाएं विशेष रूप से इस मेले में हिस्सा लेती हैं और परिवार की तरक्की के लिए मन्नत मांगती हैं। मन्नत पूरी होने पर वे गहवर में प्रसाद चढ़ाती हैं। समस्तीपुर के अलावा खगडिया, सहरसा, बेगूसराय और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों से भी हजारों लोग इस मेले में शामिल होने आते हैं। मेले में एक किलोमीटर लंबी कतार देखी जाती है, जिसमें बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सांपों को गले में लटकाए नजर आते हैं कई भक्त दावा करते हैं कि उनके तंत्र-मंत्र की कला से सांपों का जहर निकाल लिया जाता है, जिससे वे हानिरहित हो जाते हैं। कुछ का कहना है कि यह कला उन्हें पीढ़ियों से विरासत में मिली है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वाकई सांपों का जहर निकाला जाता है, या यह केवल आस्था और साहस का प्रदर्शन है? विशेषज्ञों का कहना है कि सांपों को पहले से पकड़कर टोकरियों में रखा जाता है, और नागपंचमी के दिन उनकी पूजा की जाती है। रणथम्भौर में स्नैक मैन आवीश जैसे विशेषज्ञ, जो 800 से अधिक सांपों का रेस्क्यू कर चुके हैं, बताते हैं कि सांप तभी हमला करते हैं, जब उन्हें खतरा महसूस हो। इस मेले में सांपों को शांत रखने के लिए विशेष तकनीकों का इस्तेमाल संभव है।

चुनाव आयोग पत्थर और बीजेपी मालिक : उद्धव

शिवसेना यूबीटी नेता की इलेक्शन कमीशन पर तल्ख टिप्पणी

» बोले- लोगों को अस्थिर बनाना ही बीजेपी की नीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग को पत्थर करार दिया है। शिवसेना-यूबीटी के मुखपत्र सामना को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), चुनाव आयोग, केंद्र सरकार की नीतियों और महाराष्ट्र की वर्तमान स्थिति पर तीखी टिप्पणी की। उद्धव ठाकरे ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ठाकरे ब्रांड को समाप्त करने की कोशिश हो रही है लेकिन जनता ही उन प्रयासों को निष्फल करेगी। उद्धव ठाकरे ने कहा है कि चुनाव आयोग पत्थर है। उस पत्थर पर सिंदूर लगा देने मात्र से शिवसेना नाम और धनुष-बाण चिह्न किसी और को देने का अधिकार उसे नहीं मिल जाता।

उन्होंने कहा कि देश के लोगों को हमेशा अशांत, अस्थिर और चिंतित बनाए रखना ही भाजपा की नीति है लेकिन लोगों को हमेशा मूर्ख बनाकर नहीं रखा जा सकता। खुद सरसंघचालक ने भी संकेत दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी की 75 साल की उम्र पूरी हो रही है। शिवसेना के अस्तित्व पर सवाल को लेकर उद्धव ठाकरे ने कहा वे लोग शिवसेना को खत्म कर ही नहीं सकते। वर्षों बीत गए लेकिन आज भी वे जनता को मुझसे दूर नहीं कर सके। इसलिए आत्मसमर्पण कर मालिकों की पार्टी में विलीन हो जाना ही उनके (शिवसेना) पास आखिरी विकल्प है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर मैं कल चुनाव आयुक्त का नाम बदलकर पत्थर रख दूं, तो चलेगा क्या? इस पत्थर को पक्ष का नाम बदलने का अधिकार नहीं है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अगर हमने कुछ उल्टा व्यवहार किया होता तो बात अलग थी, लेकिन अगर हमने संविधान के अनुसार कोई गलती नहीं की हो तो वे हमारा चिह्न भी नहीं छीन सकते। वोट प्रतिशत वगैरह जो भी है, वह सिर्फ चिह्न तक सीमित है। नाम किसी और को नहीं दे सकते।

ठाकरे ने जन सुरक्षा बिल पर उठाये सवाल

उद्धव ठाकरे ने जन सुरक्षा बिल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, क्या जन सुरक्षा बिल से महिलाओं पर अत्याचार रुकने वाले हैं? क्या चोरी, हत्या और डकैती रुकने वाली है? क्या समृद्धि आदि महामार्गों पर हो रही लूटमार रुकने वाली है? उस बिल में कट्टर वामपंथी (लेफ्टिस्ट) विचारधारा का जिक्र है। मूल रूप से कट्टर वामपंथी का मतलब क्या है? मूल रूप से वामपंथी विचारधारा और दक्षिणपंथी (राइटिस्ट) विचारधारा का मतलब क्या है?

जाति के नाम पर हो रही राजनीति

महाराष्ट्र में जातिगत राजनीति पर जवाब देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा ये लोग और क्या कर ही सकते हैं? लोगों के घरों में आग लगाकर अपनी रोटियां सेंकते हैं। कभी हिंदू-मुस्लिम, मराठी-गैरमराठी तो कभी हिंदुओं के बीच मराठा और गैर-मराठा अलग करना, यही चल रहा है। बालासाहेब कहते थे कि मराठा और गैर-मराठा, ब्राह्मण और गैर-ब्राह्मण, छूत-अछूत, घाटी और कोंकणी, ये सारे भेद मिटाकर लोगों को एक साथ मजबूती से आना चाहिए। अब वही एकता इनके आड़े आ रही है, इसलिए अब वे इनमें तोड़फोड़ कर रहे हैं।

न्यूड वीडियो बनाने वाले रैकेट का पर्दाफाश

» दिल्ली पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजा

» वीडियो काल कर बनाते थे न्यूड वीडियो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने सेक्सटॉर्शन रैकेट चलाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मेवात से गिरोह के मास्टरमाइंड समेत चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये ठग डेटिंग ऐप के ज़रिए लोगों को जाल में फंसा कर न्यूड वीडियो रिकॉर्ड करते थे फिर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर पैसे ऐंठते थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता अंकित कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक अज्ञात व्यक्ति ने पहले क्वैक क्वैक ऐप पर संपर्क किया और फिर व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए अश्लील वीडियो चलाकर उन्हें नग्न होने के लिए उकसाया।

इसके बाद उनकी न्यूड वीडियो रिकॉर्ड कर ली गई और 35 हजार की मांग की गई। डर के कारण उन्होंने पैसे ट्रांसफर कर दिये। लेकिन जब और पैसे मांगे गए तो उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कर दी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया। टेक्निकल सर्विलांस और मनी ट्रेल की मदद से पुलिस टीम मेवात तक पहुंची। दिल्ली पुलिस ने पहले दिल्ली में दबिश देकर मंगल सिंह जो खाता धारक हैं और श्याम सिंह को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद गिरोह के किंगपिन अर्मान खान को मेवात से पकड़ा गया। उसके पास से दो मोबाइल बरामद हुए। जिनमें कई पीड़ितों के अश्लील वीडियो मिले। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी असीद खान ने भुगतान स्कैनर उपलब्ध कराया था जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

सीरीज पर कब्जा करने उतरेंगी भारत की शेरनियां

» इंग्लैंड से दूसरा वनडे मैच आज, बारिश की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लॉर्ड्स। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच लॉर्ड्स में दूसरा वनडे मैच खेला जाना है। टीम इंडिया इस मुकाबले को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी। टीम इंडिया ने सीरीज का पहला मैच चार विकेट से अपने नाम किया था। ऐसे में तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच मेजबान इंग्लैंड के लिए यह करो या मरो का मुकाबला होगा। क्रांति गौड़ इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में दो विकेट अपने नाम कर चुकी हैं। इनके अलावा भारतीय टीम को जेमिमा रोड्रिगेज, दीप्ति शर्मा, स्मृति मंधाना और श्री चरणी से खासा उम्मीदें होंगी।

हालांकि, भारत को सोफिया डंकले, नैट साइवर-ब्रंट, एलिस डेविडसन रिचर्ड्स और चार्ली डीन के खिलाफ रणनीति बनाकर उतरना होगा, जो पहले वनडे में शानदार खेल दिखा चुकी हैं। लॉर्ड्स की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार है। हालांकि, यहां इस मैच में स्पिनर्स को मदद मिल सकती है। रात में ओस पड़ने की संभावना के चलते टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी चुन सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 19 जुलाई को लॉर्ड्स में मैच के दौरान बारिश की आशंका है। बारिश के चलते मैच को रोकना भी पड़ सकता है।

गारफील्ड की सूची में शामिल होने से 58 रन दूर हैं जडेजा

मैनचेस्टर। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा सर गारफील्ड सोबर्स की एलीट सूची में शामिल होने के करीब हैं और 58 रन बनाते ही वह ये उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर सोबर्स एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने इंग्लैंड में छठे या इससे निचले स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए 1000 रन बनाए हैं। सोबर्स ने इस दौरान 16 पारियों में 84.38 के औसत से 1097 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और पांच अर्धशतक शामिल है। दूसरे स्थान पर जडेजा हैं जिन्होंने अब तक 27 पारियों में 40.95 के औसत से 942 टेस्ट रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वह इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे करने और सोबर्स की एलीट सूची में शामिल होने से 58 रन दूर हैं।

राज ठाकरे की धमकी, अब समुद्र में डुबोकर मारेंगे

» बोले- जिसे पीटा गया वह सही हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में भाषा के विवाद में भाषा की मर्यादा टूटती नजर आ रही है। एमएनएस अध्यक्ष राज ठाकरे ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे को चैलेंज किया है कि मुंबई आओ समुद्र में डुबो-डुबोकर मारेंगे। गौरतलब है सांसद निशिकांत ने बयान दिया था कि पटक-पटक कर मारेंगे। उसी बयान का जवाब देते हुए राज ठाकरे ने कहा कि एक भाजपा सांसद ने कहा था कि हम मराठी लोगों को यहां पर पटक-पटक कर मारेंगे। मैं दुबे को बोलता हूं तुम मुंबई में आ जाओ समंदर में डुबो-डुबोकर मारेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने यहां मराठी का अपमान किया तो उसके गाल और हमारे हाथ की युति जरूर होकर रहेगी। राज ठाकरे ने आगे कहा कि मुंबई के मीरा रोड में जो कुछ हुआ जिसे पीटा गया वो सही हुआ। उसे महाराष्ट्र स्टाइल में जवाब दिया गया। महाराष्ट्र में रह रहे हो शांति से रहो मराठी सीखो। हमारा तुमसे कोई झगड़ा नहीं है लेकिन अगर मस्ती करोगे तो महाराष्ट्र स्टाइल में समझा देंगे। मनसे सुप्रीमो ने कहा कि 28 सितंबर 2018 को गुजरात के हिम्मतनगर में 14 महीने की बच्ची के साथ रेप हुआ था। उसके बाद बिहार के लोगों के साथ मारपीट की गई और करीब 20,000 लोगों को गुजरात से बिहार भेज दिया गया था। दूसरे राज्य में लोगों को मारेंगे पीटेंगे वहां आने नहीं देंगे और यहां अगर किसी दुकानदार को थप्पड़ पड़ गया तो वो नेशनल हेडलाइन बन जाती है मराठी भाषा का ढाई से तीन हजार साल का इतिहास है। उन्होंने कहा कि हमने पीएम मोदी से कहा था कि वह मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दें।

हिंदी को अनिवार्य करके तो दिखाओ

राज ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा और कहा कि अब जाकर सरकार को समझ आया है कि पहली से पांचवीं तक हिंदी को अनिवार्य करने की कोशिश करके तो दिखाओ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हिंदी के लिए झगड़ रहे हैं। सारे स्कूल में मराठी अनिवार्य करनी चाहिए लेकिन ये लोग सब छोड़कर हिंदी को अनिवार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ गुजराती नेताओं और व्यापारियों का प्लान था कि मुंबई और महाराष्ट्र में भेदभाव लाया जाए। सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था कि मुंबई और महाराष्ट्र को अलग मत करना। कई सालों से इनकी नजर मुंबई पर है। हमारी परीक्षा ले रहे हैं। यह सबने देख लिया है कि हिंदी थोपी तो महाराष्ट्र कैसा विरोध करेगा।

ओडिशा में फिर इंसानियत शर्मसार

» बदमाशों ने 15 साल की लड़की को किया आग के हवाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ओडिशा। पुरी जिले में शनिवार को बदमाशों ने एक 15 साल की मासूम लड़की को आग के हवाले कर दिया। बच्ची को गंभीर हालत में एम्स भुवनेश्वर ले जाया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभारी प्रवती परिदा ने एक पोस्ट में घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मैं यह खबर सुनकर दुखी और स्तब्ध हूं कि पुरी जिले के बलंगा में कुछ बदमाशों ने सड़क पर एक 15 साल की लड़की पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, लड़की को तुरंत एम्स भुवनेश्वर ले जाया गया है। उसके इलाज की सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इलाज का सारा खर्च सरकार वहन करेगी। पुलिस प्रशासन को दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पुरी की डीएम चंचल राणा ने कहा, पुलिस और जिला प्रशासन ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। वरिष्ठ अधिकारियों को घटनास्थल पर भेज दिया गया है।

तीन बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बयाबार गांव में तीन बदमाशों ने लड़की को उस समय आग लगा दी, जब वह अपने दोस्त के घर जा रही थी। घटना के बाद वे मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस गांव पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में बड़ा कदम

ईडी ने गूगल और मेटा को भेजा समन

21 जुलाई को पूछताछ के लिए तलब, कई सेलेब्रिटी पहले ही जांच के घेरे में, अब टेक दिग्गजों की भूमिका की होगी पड़ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईडी ने आज ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामलों की जांच के सिलसिले में तकनीकी दिग्गज गूगल और मेटा को नोटिस जारी कर उन्हें 21 जुलाई को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कदम जांच के एक महत्वपूर्ण विस्तार का संकेत देता है, जिसमें पहले ही कई मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों को कथित अवैध जुआ प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के आरोप में जांच के घेरे में देखा जा चुका है।

ईडी ने गूगल और मेटा दोनों पर उन सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार में सक्रिय रूप से मदद करने का आरोप लगाया है जिनकी वर्तमान में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन सहित गंभीर वित्तीय अपराधों के लिए जाँच चल रही है। अधिकारियों का आरोप है कि इन तकनीकी कंपनियों ने प्रमुख विज्ञापन स्लॉट प्रदान किए और इन ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों से जुड़ी वेबसाइटों को अपने-अपने प्लेटफार्मों पर दृश्यता प्राप्त करने की अनुमति दी जिससे इन अवैध गतिविधियों की व्यापक पहुँच में योगदान मिला। यह घटनाक्रम डिजिटल माध्यमों के ज़रिये चल रहे अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क पर शिकंजा कसने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

बढ़ेगा जांच का दायरा

ईडी का यह कदम संकेत देता है कि जांच केवल उपभोक्ताओं और प्रमोटरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब उन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी भी तय की जा रही है जिनके माध्यम से इन ऐप्स का प्रचार भुगतान और संचालन संभव हुआ। ईडी पिछले कई महीनों से देशभर में तेजी से पनप रहे ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े ऐप्स की जांच कर रही है। इनमें महादेव ऑनलाइन बुकिंग ऐप, लकी क्लब, किंग एक्सचेंज जैसे कई प्लेटफॉर्म शामिल हैं जो युवाओं को आकर्षित करने के लिए सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर भारी विज्ञापन चलाते रहे हैं।

बॉलीवुड से लेकर बड़े ब्रांड तक जांच की जद में

इस मामले में कई फिल्मी सितारे, स्पोर्ट्स से जुड़ी हस्तियां और सोशल मीडिया प्रभावशाली लोग (इंफ्लुएंसर्स) जांच के घेरे में हैं, जिन्होंने मोटी फीस लेकर इन सट्टेबाजी ऐप्स का प्रचार किया। ईडी के मुताबिक, प्रचार के एवज में उन्हें नकद, विदेश यात्राएं, गिफ्ट्स और यहां तक कि क्रिप्टो भुगतान भी मिला। कुछ प्रमुख हस्तियों को ईडी पहले ही पूछताछ के लिए बुला चुकी है, जबकि अन्य को समन भेजे जाने की प्रक्रिया जारी है। अब जब गूगल और मेटा को भी जांच में शामिल किया गया है, तो इस मामले की संवेदनशीलता और गहराई और अधिक बढ़ गई है।

गहरी है पैठ

इन ऐप्स के जरिये भारी मात्रा में काला धन इकट्ठा किया गया जिसे हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से विदेश भेजे जाने के भी सबूत मिले हैं। कई बॉलीवुड हस्तियां, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और मशहूर यूट्यूबर इन ऐप्स का प्रचार करते पाए गए हैं, जिन्हें ईडी ने पूछताछ के लिए पहले ही बुलाया था। सूत्रों के मुताबिक ईडी यह भी जानना चाहती है कि इन प्लेटफॉर्म्स पर चलने वाले विज्ञापनों से कंपनियों ने कितनी कमाई की, और क्या उन्हें यह मालूम था कि ये ऐप्स भारत में गैरकानूनी हैं? मेटा से विशेष रूप से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचारित कंटेंट की जानकारी मांगी गई है, जबकि गूगल से यूट्यूब विज्ञापन और ऐप स्टोर नीतियों पर जवाब मांगा गया है।

इंडिया गठबंधन की अहम बैठक आज होंगे महत्वपूर्ण फैसले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडी गठबधंन के घटक दलों की आज एक अहम वर्चुअल बैठक सोनिया गांधी की अध्यक्ष में आहूत कि जाएगी। इस बैठक इंडी गंठबंधन के सभी दल शामिल होंगे। ऑनलाइन होने वाली इस बैठक में मौजूदा राजनीतिक हालातों पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान बैठक में उन मुद्दों पर आपसी सहमति बनाई जाएगी, जिस पर केंद्र सरकार को घेरा जा सके। हालांकि इस बैठक से आम आदमी पार्टी ने अपने आपको अलग कर लिया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि आम आदमी पार्टी इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने बैठक को लेकर कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियां एकजुट हैं। पार्टियों के प्रमुख नेता शनिवार को आयोजित होने वाली वर्चुअली बैठक में बातचीत करेंगे। इसके बाद दिल्ली में बैठक करेंगे। इस बैठक में इन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है जिसके जरिए सरकार को मानसून सत्र के दौरान घेरा जा सके। उन्होंने बताया कि बैठक में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी। बिहार में चुनाव आयोग की तरफ से की जा रही मतदाता सूची पुनरीक्षण पर चर्चा की जाएगी। भारत-पाक के बीच संघर्ष को खत्म करने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर भी चर्चा होगी। बैठक में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की कोशिश पर चर्चा होगी।

इंडिया ब्लॉक के इस बैठक की पहले तृणमूल कांग्रेस ने बहिष्कार किया था लेकिन बाद में पार्टी की तरफ से कहा गया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी बैठक में हिस्सा लेंगे। लेकिन इस बैठक से आम आदमी पार्टी ने पूरी तरह से किनारा कर लिया है। आप ने पूरी तरह से खुद को गठबंधन से अलग कर लिया है। आम पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बना था। दिल्ली और हरियाणा का चुनाव पार्टी ने अकेले दम पर लड़ा था। अब बिहार चुनाव भी अपने दम पर अकेले लड़ रहे हैं। पंजाब और गुजरात में हुए उपचुनाव में भी अकेले लड़ा है। आप गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

नोएडा की निजी विवि में छात्रा ने दे दी जान

ग्रेटर नोएडा की एक प्राइवेट युनिवर्सिटी का मामला

गर्ल्स हॉस्टल में फांसी लगाकर दीजान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा के एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में शनिवार देर रात एक 21 वर्षीय बीडीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा के सुसाइड नोट में डेंटल विभाग के एक पुरुष और एक महिला शिक्षक पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले में दो शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

नॉलेज पार्क पुलिस को सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। छात्रा के कमरे से मिले सुसाइड नोट में उसने यूनिवर्सिटी के शिक्षकों पर मानसिक दबाव डालने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। बताया जा रहा है कि छात्रा पिछले कुछ समय से तनाव में थी। घटना की जानकारी मिलते ही छात्रा के परिजन हॉस्टल पहुंचे और यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया।

दोषी शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर छात्रा के कमरे की बारीकी से जांच की। सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। छात्रों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। परिजनों और छात्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटी में छात्रों पर अनुचित दबाव बनाया जाता है, जिसके चलते यह दुखद घटना हुई। पुलिस ने कहा कि वह सभी पहलुओं की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने कहा, पुलिस को सूचना मिली कि हॉस्टल में एक छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई की। परिजनों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। इस मामले में दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। छात्रों का यूनिवर्सिटी के प्रशासन पर काफी आक्रोश था, उन्हें समझाकर शांत कर दिया गया है।

मुकदमा किया गया दर्ज

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, कार के उड़े परखच्चे

» सड़क पर लगा लाशों का ढेर, छह की मौके पर ही मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। बलदेव थाना क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस-वे माइक स्टोन 140 पर करीब तीन बजे इको गाड़ी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें छह लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ईको गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ईको कार सवार नोएडा से आगरा की ओर आ रहे थे। कार में सवार धर्मवीर पुत्र जवर सिंह निवासी ग्राम हरलालपुरा थाना बासोनी आगरा, रोहित पुत्र धर्मवीर, आर्यन पुत्र धर्मवीर बासोनी आगरा, दलवीर उर्फ छुल्ले व पारस सिंह तोमर पुत्रगण विश्वनाथ सिंह निवासीगण ग्राम बढ़पुरा हुसैद थाना महोबा मध्य प्रदेश आदि लोगों की घटना स्थल पर मृत्यु हो गई। सोनी पत्नी धर्मवीर और पायल पुत्री धर्मवीर निवासीगण हलालपुर थाना बासोनी आगरा गंभीर रूप से घायल हो गई।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार राय और थाना प्रभारी रंजना सचान ने बताया इको गाड़ी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। मृत लोगों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन का पता लगाया जा रहा है।

नेपाल में टेलीग्राम एप पर चली दंड की चाबुक

नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण ने पूरे नेपाल में टेलीग्राम को ब्लॉक करने के आदेश दिये, फाइनेंशियल फ्रॉड और मनी लान्ड्रिंग का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमांडू। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (एनटीए) ने देश के सभी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के एक्सेस को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह निर्णय नेपाल पुलिस के साइबर ब्यूरो द्वारा महीनों से लगातार दी जा रही चेतावनियों और अनुरोधों के बाद आया है, जिसने इस ऐप को फाइनेंशियल फॉड और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए एक टूल के रूप में फ्लैग किया है।

एनटीए ने एक बयान में इस निर्देश की पुष्टि करते हुए कहा कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाई गई गंभीर चिंताओं के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है।

एनटीए ने कहा, नेपाल में टेलीग्राम के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी लगातार बढ़ रही है और यह ऐप कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों में शामिल है, इसलिए सभी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को टेलीग्राम को तुरंत ब्लॉक करने का निर्देश दिया जाता है।प्राधिकरण ने कहा कि टेलीग्राम के माध्यम से धोखाधड़ी की घटनाएं हाल ही में बढ़ी हैं। इनमें फर्जी नौकरी के प्रस्ताव, क्रिप्टो घोटाले और अन्य भ्रामक तरीके शामिल हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्रालय और अन्य प्रमुख अधिकारियों ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए बैठकें कीं। टेलीग्राम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामलों की जानकारी मिलने के बाद, प्रधानमंत्री कार्यालय ने संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को एक आधिकारिक पत्र भेजकर तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया। प्रतिबंध का एक अन्य प्रमुख कारण टेलीग्राम द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग न करना था।

स्पष्ट निर्देश

मंत्रालय ने टेलीग्राम के आधिकारिक प्रतिनिधि से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई स्थानीय संपर्क सूत्र नहीं मिल सका। बीते शुक्रवार को मंत्रालय ने एनटीए को पत्र लिखकर इस ऐप को ब्लॉक करने का अनुरोध किया। इसके तुरंत बाद, प्राधिकरण ने सभी टेलीकॉम और इंटरनेट प्रोवाइडर्स को ऐप तक एक्सेस बंद करने का निर्देश दिया।

चीन ने पहले ही बंद कर दिया है

टेलीग्राम की लंबे समय से असुरक्षित होने और यूजर्स का डेटा अधिकारियों के साथ साझा न करने के लिए आलोचना की जाती रही है। चीन जैसे देश पहले ही इसी तरह की चिंताओं के कारण इस ऐप को बैन कर चुके हैं। टेलीग्राम को लेकर विवाद तब और बढ़ गया जब इसके सह-संस्थापक पावेल दुरोव को अगस्त 2024 में फ्रांस में गिरफ्तार कर लिया गया। दुरोव को ले बोर्गेट हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया और बाद में उन पर बाल शोषण सामग्री के वितरण और मादक पदार्थों की तस्करी में मिलीभगत सहित कई आरोप लगाए गए।

दुरोव को किया गया गिरफ्तार

उन्हें फ्रांस छोड़ने से रोक दिया गया और न्यायिक निगरानी में रखा गया। दुरोव की गिरफ्तारी के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं और टेलीग्राम यूजर्स ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। मार्च 2025 में, एक न्यायाधीश ने दुरोव को अस्थायी रूप से फ्रांस छोड़ने की अनुमति दी और उन्होंने उसी महीने देश छोड़ दिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।